RAJYA SABHA

Tuesday, the 5th December, 2000/14 *Agrahayana*, 1922 (*Saka*)

The House met at eleven of the Clock, **MR. CHAIRMAN** *in the Chair.*

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

International Air Services From Bangalore

*221. SHRIMATI VANGA GEETHA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Bangalore Airport is shortly going to be on international airport map;

(b) whether apart from Nepal Airlines any other international airlines is going to have flights from Bangalore;

(c) if so, the name of other international airlines which are going to have flights from Bangalore; and

(d) whether it will not have adverse effect on finance of domestic airlines?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SHARD YADAV): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (d) Existing domestic airport at Bangalore has been declared as an international airport in May, 2000. During last round of bilateral air services consultations with Malaysia and Gulf Air owning States in September, 2000, Bangalore has been granted as an additional point of call to Gulf Air and the designated airline of Malaysia. Actual operations, however, are left to their commercial judgement. Operations of both Gulf Air and designated airline of Malaysia to/from Bangalore shall be covered by a Code Share/Block Space agreement with the designated airline of India.

SHRIMATI VANGA GEETHA: Sir, the Indian economy is being globalised and liberalised. In order to achieve these objectives, we are inviting

huge foreign investment into our country. So, we should try to create a conducive atmosphere for that. This requires creation of proper travel arrangements for foreign investors and technologists. Therefore, there is a need for construction of more international airports. In this scenario, what efforts are being made by the Government? I want to know from the hon. Minister the number of international airports, in addition to the existing international airports, which the Government is planning to construct. By which time these airports would be made operational?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, माननीय सदस्या ने जो प्रश्न पूछा है उसके संबंध में मैं बताना चाहूंगा कि हमने अभी सात एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल घोषित किए हैं और दो ज्वाइंट वैंचर में हैं। जो दो हवाई अड्डे ज्वाइंट वैंचर में हैं उनमें से एक देवनहल्ली नियर बंगलौर है एवं दूसरा शमशाबाद नियर हैदराबाद है। बगलौर का जो इंटरनेशनल हवाई अड्डा है, वह ज्वाइंट वैंचर में प्रोसैस में है जिसके लिए जो 17 बिडर्स आये थे, कंसलटैंट अप्वाइंट कर दिया गया था, उस संबंध में प्रोसैस जारी है और अब शॉर्टलिस्ट करने के बाद दो जर्मन कम्पनियां बची हैं। जो माननीय सदस्या ने कहा है, उसके संबंध में मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि सारा काम टाइम शैड्यूल के अनुसार चल रहा है। इस ज्वाइंट वैंचर में 74 परसेंट, जो पार्टनर आएगा, वह लगाएगा और बाकी 26 परसेंट में से 13 परसेंट एयरपोर्ट अथॉरिटी का एवं 13 परसेंट स्टेट गवर्नमेंट का होगा। जो दो कम्पनियां बची हैं इनमें से हमें शॉर्ट लिस्ट करना है कि क्या किसको देना है।

SHRIMATI VANGA GEETHA: Sir, though the Hyderabad airport has also been declared as an international airport, no regular international flights are operating from there. This airport is handicapped due to non-operation of international flights from here. I would like to know from the hon. Minister by which time international flights will start from Hyderabad to Western countries.

MR. CHAIRMAN: See, Question No. 223 is specifically about Hyderabad airport. So, this supplementary does not arise out of this question.

श्री शरद यादव: इसका भी जवाब दे देता हूं।

श्री सभापति: उस वक्त दीजिएगा।

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: चेयरमैन सर, माननीय मंत्री जी ने हैदराबाद और बंगलौर एयरपोर्ट के बारे में बताया। मान्यवर, गया में भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का एक स्कोप है।

श्री सभापति: यह सवाल सिर्फ बंगलौर के बारे में है। This question is specifically related to Bangalore. That is why I did not allow the supplementary on Hyderabad airport.

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: सर, इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स के बारे में...

श्री सभापति: यह नहीं है।

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: सर, मंत्रीजी खुद इसका जवाब देना चाहेंगे।

श्री सभापति: अगर वे जवाब देना चाहेंगे तब भी मैं जवाब नहीं देने दूंगा।

I don't want to enlarege the scope of this question. ...(*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, part (c) of this question is whether there are any other international airports.... ...(*Interruptions*)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया: सर, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में भी कहा है कि 7 नये एयरपोर्ट्स की इंटरनेशनल सर्विस शुरू हो रही है। जो जवाब मंत्री जी ने दे दिया, उसमें से तो सप्लीमेंटरी आ सकता है।

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: सर, गया में पिछले दिनों मंत्री महोदय गये थे। वहां पर इन्होंने गया को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए अनाउंसमेंट भी की थी। मेरा स्पेसिफिक क्वेश्चन भाग ''अ'' यह है कि गया एयरपोर्ट कब तक इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना दिया जाएगा और भाग ''ब'' यह है कि चार एयरपोर्ट.....

श्री सभापति: अहलुवालिया साहब, आप गलत कह रहे हैं। इसका और पार्ट नहीं है। The question is different. Part (c) is, 'If so, the names of other international airlines...', but not airport. (*Interruptions*)

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, I said, 'while replying to the main question, he mentioned about it.' (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I don't want to enlarge the ambit of the question.

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: मान्यवर, अगर मंत्री महोदय इसका जवाब दे रहे हैं तो मेरा ख्याल है कि इसमें हाउस को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए और....

श्री सभापति: नहीं, नहीं आप अपना क्वेश्चन पूछिए। उन्होंने क्वेश्चन किया है तो उसको वहीं तक रहने दीजिए, वह उसके आगे नहीं बढ़ेगा। Otherwise, it can cover all the airports in the country.

श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता: मान्यवर, भाग ''ब'' मेरा यह है कि जो चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, केवल यही अर्निंग एयरपोर्ट हैं और इनको अगर प्राइवेटाइज़ कर दिया जाएगा तो कंट्री में जो दूसरे डोमेस्टिक एयरपोर्ट है, जो लीजिंग एयरपोर्ट हैं जिनमें सरकार अपना खर्चा भी कवर नहीं कर पाती तो उनको कैसे फाइनेंस किया जाएगा? यह माननीय मंत्रीजी बताएं।

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, यह सवाल जो इन्होंने चार एयरपोर्ट्स की लीज़िंग का उठाया है तो इस प्रश्न में लीज़िंग के मामले में कोई सवाल नहीं है।

श्री सभापति: हां, लीज़िंग का कोई सवाल नहीं है।

श्री शरद यादव: जहां तक गया के बारे में इन्होंने कहा है, यदि आपकी अनुमति हो तो....

श्री सभापति: नहीं, कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है।

DR. M. N. DAS: I am sure, the hon. Minister is aware of the fact that the city of Bangalore is gradually becoming a centre of revolution in information technology, attracting multinational companies and foreign companies in software and hardware areas. Furthermore, I am sure, the hon. Minister is aware of the fact that just on the outskirts of the city, there is a place called White Field, which attracts hundreds and thousands of foreigners from all parts of the world, for whatever purpose. In view of that, I think, it is necessary to declare Bangalore as an international airport; not only declare it as an international airport but to make that airport really an international airport. It would not adversely affect the domestic airlines. This is what I feel.

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो पूछा है तो बंगलौर को तो हम लोग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहले ही घोषित कर चुके हैं और चूंकि बंगलौर के पास सॉफ्टवेयर में सबसे बड़ी संभावनाएं हैं, इसलिए देवनहल्ली में, near Bangalore, ज्वाइंट वेंचर में जो कर्नाटक की सरकार है, उसके हाथ में पूरा इनीशिएटिव दे दिया गया है। एक स्टीयरिंग कमेटी बनी है, उसका जो लीडिंग पार्टनर है, सारे ट्रेड्ज और सारी चीजों को बनाने का काम हमने उसके जिम्मे कर दिया है। आप जो कह रहे हैं, आपकी इच्छा के अनुसार ही वहां काम चल हुआ है।

SHRI K. RAHMAN KHAN: Sir, Bangalore airport, as you have said, has been declared as an international airport. You have also permitted an international airport at Devanahalli. The Devanahalli airport has been in the picture for the last 4-5 years, but, somehow or the other, it is being delayed. Now that you have said that tenders have been finalised, the first part of my question is, whether you have really finalised it and when the work is going to begin; as everybody knows Bangalore is a cyber city and it is going to be a silicon valley; you have permitted only the South-East Asian airlines or the Middle-East airlines, but there is a demand for permitting airlines of America and European countries also. The second part of my question is whether airlines of any European country has applied for flying over there, like the British Airways or the American Airlines. Earlier, a direct flight from Banglore to Chicago had been announced. I would like to know whether that airliner is

operating its flights over there. I would also like to know whether any other international airlines from the West would be permitted.

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, हमारे यहां आने के बाद हमने जून, 2000 में इसको इन्टरनेशनल एयरपोर्ट घोषित कर दिया, काम चल रहा है। आपने बाइलेटरल के बारे में पूछा है तो योरोप से जर्मन की रिक्वेस्ट आई है और अमेरिका के साथ जो हमारा एयर एग्रीमेंट है उसके तहत हम वहां चाहे जितनी फ्लाइट ले जा सकते हैं और वह भी चाहे जितनी फ्लाइट यहां ला सकते हैं। उनको हमसे कोई रिक्वेस्ट करने की जरूरत नहीं है। रहा सवाल इसको कम्पलीट करने का तो इसकी सारी जिम्मेदारी हमने स्टेट गवर्नमेंट को दी हुई है। वहां की गवर्नमेंट इसमें बड़ी मजबूती से और बहुत सिंसियर्ली लगी हुई है। दो कम्पनियां, शार्ट लिस्टेड, उनमें से जो कमर्शियल वाइबिलिटी है, जो फिजिबिलिटी है और जो तमाम चीजें हैं, वे जून, 2001 तक हमें पूरी करनी हैं। रहमान साहब ने पूछा है तो मैं बताना चाहता हूं कि अभी हमने उसको इन्टरनेशनल एयरपोर्ट किया है और इसके बाद मलेशियन एयरलाइंस सीधे मुंबई आना चाहती थी। हमने उनको फोर्स करके कहा कि बंगलौर आना है और हमने उनको बंगलौर का कॉल प्वाइन्ट दिया जबकि वे इसके लिए तैयार नहीं थे।

SHRI K.B. KRISHNA MURTHY: Considering the proximity of commercial centres of other States near Karnataka such as Krishnagiri, Erode, Anantapur, Hindupur, etc., which make Bangalore commercially viable for enough passenger traffic, and since the Malaysian Airlines and the Gulf Airlines are yet to commence operations, and Air India being unable to cater to the high volume of international traffic, will the Centre consider extending operating facilities to other willing airlines or increasing the frequency of Air India flights? Part (b) of my question is: Is there any Air India flight originating from Bangalore to New York, coded 101-102?

श्री शरद यादव: महोदय, माननीय सदस्य ने जो पूछा है, मैं बताना चाहता हूं कि इंडियन एयरलाइंस की 12 फ्लाइट्स जा रही हैं, एयर इंडिया की 4 फ्लाइट्स जा रही हैं और रॉयल नेपाल की 2 फ्लाइट्स पर वीक जा रही हैं। इसके अलावा माननीय सदस्य ने जो बाकी एयरपोर्ट के बारे में पूछा है तो निश्चित तौर पर सिविल एविएशन में एक्सपेंशन का बहुत बड़ा स्कोप है, सिलिकॉन वैली में सबसे ज्यादा। यदि कहीं इसकी पोटेंशियल बढ़ रही है तो वह बंगलौर, चेन्नई और हैदराबाद है। आपने काफी एयरपोर्ट के बारे में पूछा है तो मुझे उनके बारे में जानकारी नहीं है। आप जब मुझसे मिलेंगे तो मैं निश्चित तौर पर आपको उनके बारे में बता दूंगा। 12 फ्लाइट्स इंडियन एयरलाइंस की, 4 फ्लाइट्स एयर इंडिया की यानी बंगलौर में मुम्बई के बाद सबसे ज्यादा फ्लाइट बाहर पहुंच रही हैं। इसलिए हम बंगलौर के मामले में पूरी तरह से सतर्क हैं और वहां एविएशन का स्कोप बढ़ रहा है। अभी गल्फ और मलेशियन को हमने कॉल प्वाइंट दे दिया है। तीन कंट्रीज

जर्मनी, श्रीलंका और सिंगापुर को रिक्वेस्ट आई है। आगे आने वाले समय में जो हमारी डोमेस्टि एयरलाइंस हैं, जो हमारे टूरिस्ट हैं, हमारे रीजनल बैलेंस हैं और आने-जाने वाले दोनों ट्रैफिकों को देखकर कि उनकी हालत क्या है, इन सारी चीजों को देखकर ही बाइलेटर्ल किए जाते हैं।

श्री सभापति: बंगलौर का क्वेश्चन है।

श्री संजय निरुपम: सर, मैंने चार साल से कोई इरेलेवेंट क्वेश्चन नहीं पूछा जो क्वेश्चन पूछा वह उससे रिलेटिड ही पूछा है। महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि मलेशियन एयरलाइंस जैसे भी डेजेगनेटिड एयरलाइंस होगा तो गल्फ एयर के साथ बाकायदा अग्रीमेंट की स्थिति बनेगी। मैं सबसे पहले यह पूछना चाहता हूं कि निर्णय किसके पाले में है, गल्फ एयरलाइंस और मलेशियन एयरलाइंस या हमारे पास? दूसरी तरफ से डेजेगनेटिड एयरलाइंस कौन-सी होने जा रही है? क्योंकि इन्टरनेशनल आपरेशन में शुरू से ही एयर इंडिया के पास पूरी तरह से अधिकार रहता था। लेकिन आजकल पिछले कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड शुरू हुआ है कि इंडियन एयरलाइंस को अन्य देशों के साथ जोड़ते समय डेजिगनेटिड करते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि आप बंगलौर के साथ किसे डेजिगनेटिड कर रहे हैं? सबसे महत्वपूर्ण बात मैं यह बताना चाहता हूं कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा के लिए हमारे पास आलरेडी चार बड़े एयरपोर्ट्स हैं, ये हमारे देश के गेटवेज हैं। अगर हमने इसी तरह से और इंटीरियर एयरपोर्ट्स के लिए, जैसे कि बंगलौर को करने की तैयारी चल रही है हालांकि रॉयल नेपाल आलरेडी उसे आपरेट कर रहा है, अगर हम इस तरह से इंटीरियर एयरपोर्ट्स पर अंतर्राष्ट्रीय सेवाएं शुरू करते जाएंगे तो आने वाले दिनों में सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। बंगलौर से जब अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू होगी तो अभी बंगलौर से मुंबई या बंगलौर से दिल्ली तक को सेवा है वह बाद में हिंदुस्तान से बाहर हो जाएगी। एक तरफ हमने डोमेस्टिक सैक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सेवाओं को रोक रखा है, हम फोरेन एयरलाइंस को डोमेस्टिक सैक्टर में आपरेट नहीं करने देते वहीं दूसरी तरफ अगर अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस अंतर्राष्ट्रीय एयर सर्विसेज के नाम पर इस तरह से हमारे डोमेस्टिक सैक्टर में आपरेट करेंगी तो डोमेस्टिक सैक्टर में पहले से ही फोरेन एयरलाइंस को रोकने का क्या अर्थ है? यह मेरी समझ में नहीं आया कृपया माननीय मंत्री जी स्पष्ट करने की कोशिश करें।

एक माननीय सदस्य: सवाल बहुत पेचीदा है।

श्री शरद यादव: सवाल कोई पेचीदा नहीं है। सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो अपनी चिन्ता रखी है उस संदर्भ में मैं कहना चाहता हूं कि हमने सात अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और बनाये हैं तथा कोचीन प्राइवेट लोगों द्वारा बनाया गया हिंदुस्तान में बैस्ट एयरपोर्ट है। हमें यह देखना है कि हमारे नेशनल केरियर और डोमेस्टिक सेक्टर की आमदनी पर कोई असर न पड़े। हमारा और उनका लोड फैक्टर 70 प्रतिशत है। पिछले साल से ट्रैफिक इतना बढ़ गया कि हमें अप लोडिंग करनी पड़ी। हालत यह हुई कि हमें पिछले साल, यानी पीक सीजन में अर्थात् विंटर सीजन में

ओपन स्काई करना पड़ा। एविएशन में 6%, 6.3% की गति से लोड बढ़ रहा है। पैसेन्जर के यहां आने-जाने से जो डोमेस्टिक और इंटरनेशनल ट्रैफिक बढ़ा है, हमें उन्हें भी ध्यान में रखना है, जो इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स बनाए हैं उन्हें भी वायबल बनाना है, डोमेस्टिक एयरलाइंस को भी वायबल रखना है, हिंदुस्तान में टूरिस्ट बड़े पैमाने पर फ्लो हो सकें, इसका भी ध्यान रखना है। जहां तक सुरक्षा का सवाल है उसे लीजिंग पर दिया है तथा जो इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाए हैं उन्हें जोइंट वेंचर में दे रहे हैं। सुरक्षा के प्रबंध में हमारे पास ए.टी.सी. है, सिक्योरिटी है तथा सभी प्रकार की नेशनल सिक्योरिटी का प्रबंध हमने अपने हाथ में रखा है इसलिए इसमें किसी तरह की चिंता की कोई बात नहीं है।

श्री संजय निरुपम: गल्फ एयर से आप नया क्या करने जा रहे हैं? हमारे देश में गल्फ एयर आलरेडी दिल्ली, मुंबई से आपरेट कर रही है। शारजाह, दुबई, आबू धाबी तक एयर इंडिया की फ्लाइट जाती ही हैं इसके अतिरिक्त जो ट्रैफिक है उसे भी गल्फ एयर यूज कर रही है। अब आप नया क्या कर रहे हैं? आप उसे बंगलौर तक एक्सट्रा काल दे रहे हैं, कल हैदराबाद लेकर जाएंगे, परसों अमृतसर लेकर जाएंगे। गल्फ एयर से एक्सट्रा क्या मिलने वाला है, यह मेरी समझ में नहीं आ रहा? जब पहले से मुंबई और दिल्ली तक आपरेशन जारी है तो उसे इंटीरियर में ले जाने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती।

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय सदस्य की राय अलग होगी, मेरी राय अलग है और वह यह है कि मलेशियन एयरलाइंस और गल्फ एयरलाइंस से हमने बायेलेटरल 17,000 पर वीक किए हैं। इसमें एक साल में आने-जाने वाले पैसेन्जर 8,00,000 के करीब होंगे और इससे 90,00,00000 का फायदा एयर इंडिया को होगा। गल्फ का मुझे पूरी तरह से पता नहीं लेकिन अकेले मलेशियन एयरलाइंस से हिंदुस्तान को 8,00,000 रुपये का लाभ होगा इसलिए मैं इनकी राय से सहमत नहीं हूं।

श्री संजय निरुपम: एयरलाइंस की कमाई पर सबसे बड़ा आघात हमें गल्फ से मिला है। गल्फ से एयर इंडिया को नुकसान हुआ। गल्फ से हमें कमाई नहीं हो रही है। अगर गल्फ जाने वाली ज्यादा एयरलाइंस को हम परमिशन देंगे तो इससे एयर इंडिया को और नुकसान होगा।

Decline in Foreign Exchange Reserves

*222. SHRI V. P. DURAISAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India's foreign exchange reserves have fallen further by $181 million to $34,861 million in the week ended October 20, 2000 over the previous week;